He rather said there would be no objection.

Shri Satya Narayan Sinha: We can do it.

Mr. Speaker: He is not to blame in this respect.

Shri H. N. Mukerjee: It is not that we wish to hear our own voices. Perhaps you could express our condolence in a few words.

Mr. Speaker: That is exactly what I am doing. I will convey these sentiments of sorrow and condolence. The whole House has this feeling. I will convey that to the members of the bereaved family.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर): एक दुखद घटना थोड़ी और हो गई। भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री चर्चिल के मरने के बाद भारत सरकार ने झंडे आधे झुका दिये लेकिन श्री सावरकर के देहांत के बाद ऐसा नहीं किया।

12.19 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

SUPREME COURT JUDGMENT ON A DIR DETENTION CASE IN KERALA

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and request him to make a statement thereon:—

> The Judgment of the Supreme Court declaring a Kerala kerosene dealer's dtention under DIR *mala fide* and Government's reaction thereto.

The Minister of Home Affairs (Shri Nanda): I have received intimation of this just now. May I have some time?

Mr. Speaker: Upto 3 O'clock?

Shri Nanda: Yes.

Mr. Speaker: A statement would be made at 3 P.M.

12.20 hrs.

Re. CALLING ATTENTION NOTICE (PROCEDURE)

श्री बागड़ी (हिसार): अध्यक्ष महोदय, मैं 197 के अन्तर्गत व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं। मैंने ध्यान आकर्षण नोटिस दिया था ...

अध्यक्ष महोदय: मै उसको यहां नहीं लूंगा ... (व्यवधान) ... मैं इस तरह से नहीं ले सकता।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास): 15 हजार मजदूरों का सवाल है, आप थोड़ा इस पर ध्यान देंगे और सरकार को आदेश देंगे तो ज्यादा अच्छा होगा ...

श्री बागड़ी: अध्यक्ष महोदय, यह तो मेरा व्यवस्था का प्रश्न है

अध्यक्ष महोदय: कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है। अगर किसी कालिंग अटेंशन के बावत मेरा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। मैंने कहा कि इस तरह से वह नहीं हो सकता है। यह एक नया प्रेसीडेंट होगा।

श्री बागड़ी: 197 के अन्तर्गत मेरा व्यवस्था का प्रश्न है

श्री हुकम चन्द कछवाय: दिल्ली के अन्दर ऐसी घटना हो ....

अध्यक्ष महोदय: मैंने कहा कि मैं इसकी इजाजत नही देता हूं। अगर आप इसके खिलाफ हैं तो आप लिखकर दीजिए।

श्री बागड़ी: अध्यक्ष महोदय, अगर मजदूरों की बात इस तरह से नही आयेगी तो....

अध्यक्ष महोदय: बागड़ीजी, अब आप बैठ जाइए। इसको खत्म कीजिए।

श्री ओंकार लाल बेरवा (कोटा): मजदूरों के प्रति अगर यह भावना है ...

अध्यक्ष महोदय: आर्डर आर्डर।